मानस सन्दर्भ कोष

डॉ० वागीशदत्त पाण्डेय

Manohar Memorial
LIBRARY
Accession No. 3630
Classification........
FATEHABAD (HISSAR)

891.417

अनुक्रम

आमुख ९–४६

मानस की अन्तः कथाओं का वर्गीकरण, कालक्रम की दृष्टि से अन्तः कथाओं का वर्गीकरण, विषय-वस्तु की दृष्टि से अंतः कथाओं का वर्गीकरण, उद्देश्य की दृष्टि से अन्तः कथाओं का वर्गीकरण, संदर्भ की दृष्टि से अन्तः कथाओं का वर्गीकरण ।

भारतीय वाङ्मय में कथा-साहित्य का विकास ४७-७०

ऋग्वेदेतर संहिता ग्रन्थों में आख्यानों का स्वरूप, ब्राह्मण ग्रन्थों में आख्यान का स्वरूप, आरण्यक तथा उपनिषद् साहित्य में आख्यानों कास्वरूप, सूत्र ग्रन्थों में प्राप्त आख्यान, वैदिक साहित्य के स्तर ग्रन्थों में आख्यानों का स्वरूप वाल्मीकि रामायण के आख्यान, महाभारत के आख्यान, पुराणों में आख्यान का स्वरूप, बौद्ध साहित्य में आख्यान का रूप, जैन साहित्य में आख्यानों का स्वरूप, उत्तर कालिक संस्कृत साहित्य के आख्यान ।

मानस की रामकथा : स्रोत और विकास ७१–३४०

१. अगस्त्य की उत्पत्ति की कथा , २. अगस्त्य द्वारा समुद्र शोषण की कथा, ३. अगस्त्य द्वारा विन्ध्य वृद्धि अवरोध की कथा, ४. अजामिल की कथा, ५. अम्बरीष और दुर्वासा की कथा, ६. इन्द्र और अहल्या की कथा, ७. कद्रू और विनता की कथा, ८. कबन्ध दैत्य की कथा ९. कार्तिकेय के जन्म की कथा, १०. काशी माहात्म्य की कथा, ११. कैकेयी द्वारा दशरथ से दो वर प्राप्ति की कथा, १२. गंगा की उत्पत्ति की कथा, १३. नगेन्द्र मोक्ष की कथा, १४. गणिका की कथा, १५. गणेश के प्रथम पूज्यत्व की कथा, १६. गालव की कथा, १७. चन्द्रमा द्वारा गुरु पत्नी तारा के हरण की कथा, १८. चन्द्रमा को दक्ष के शाप की कथा, १९. चन्द्रमा और राहु के बैर की कथा, २०. चित्रकेतु राजा की कथा, २१. जलन्धर दैत्य की कथा, २२. जय-विजय की कथा, २३. तुलसी की कथा, २४. त्रिशंकु की कथा, २५. दधीचि की कथा, २६. दण्डक वन की कथा, २७. दशरथ को जन्धातापस के शाप की कथा, २८. दक्ष प्रजापति और शिव के द्रोह की कथा, २९. दक्ष यज्ञ विध्वंस की कथा, ३०. धान्यमाली अप्सरा की कथा. ३१. ध्रुव की भक्ति की कथा, ३२. नल-नील द्वारा सेतुबन्ध की कथा, ३३. राजा नहुष की कथा, ३४. नारद की उत्पत्ति की कथा

३५. नारद मोह की कथा, ३६. नारद को दक्ष के शाप की कथा, ३७: निमि और वशिष्ठ के पारस्परिक शाप की कथा, ३८. परसुराम और सहस्रबाहु की कथा, ३९. परसुराम द्वारा माँ रेणुका के वध की कथा, ४०. प्रह्लाद की भक्ति तथा नृसिंह द्वारा हिरण्यकश्यप वध की कथा, ४१. राजा पृथु की कथा, ४२. बालि और वामन की कथा, ४३. बालि द्वारा रावण के पराजय की कथा, ४४. बालि और सुग्रीव की उत्पत्ति और उनकी शत्रुता की कथा, ४५. बालि द्वारा रावण पराभव की कथा, ४६. मधुकैटभ वध की कथा, ४७. महिषासुर वध की कथा, ४८. ययाति का उपाख्यान, ४९. वाल्मीकि की उत्पत्ति तथा भक्ति प्राप्ति की कथा, ५०. भृगु द्वारा विष्णु के वक्षस्थल पर पदाघात की कथा, ५१. विश्वामित्र और वशिष्ठ द्वेष की कथा, ५२ राजा वेन की कथा, ५३ रन्तिदेव की भक्ति की कथा, ५४. रावण और सहस्रबाहु के वैर की कथा, ५५. राजा शिवि की कथा, ५६. शुक की कथा, ५७. सीता की उत्पत्ति की कथा, ५८. सीता के निन्दक रजक की कथा, ५९. स्वयंप्रभा की कथा, ६०. हनुमान की उत्पत्ति की कथा, ६१. राजा हरिश्चन्द्र की कथा, ६२. हिरण्याक्ष और वराह की कथा।